भारत के नज़ारे

हमारा देश भारत काफी लम्बा–चौड़ा है। कहीं पहाड़ हैं तो कहीं नदियाँ, कहीं मैदान हैं तो कहीं समुद्र का तट। चलो कुछ नक्शों और कुछ चित्रों की मदद से भारत के नज़ारे देखें।

समुद्र तट का एक दृश्य

भारत का समुद्र तट

याद है, तुम पिछले साल नर्मदा नदी के साथ यात्रा करते हुए समुद्र तट पर पहुँच गए थे? तो चलो समुद्र तट से ही अपनी सैर शुरू करते हैं। क्या तुमने कभी समुद्र देखा है? असल में न सही पर चित्रों में या टी.वी. पर शायद देखा हो। शायद समुद्र के बारे में किसी पाठ या किसी कहानी में पढ़ा हो।

समुद्र के बारे में तुम क्या–क्या जानते हो, कक्षा में चर्चा करो।

इन दो चित्रों में समुद्र का तट देखो। समुद्र के तट पर लोग क्या–क्या करते हुए दिख रहे हैं?

समुद्र इतना विशाल होता है कि उसके एक किनारे पर खड़े हो जाओ तो दूसरा किनारा नजर ही नहीं आता। और इतना गहरा कि कई–कई बाँस एक के ऊपर एक लगा दें तो भी समुद्र के तल तक नहीं पहुँचें। वहाँ खूब ऊँची लहरें आती हैं, तट से टकराती हैं और फिर वापस समुद्र में लौट जाती हैं।

अपना राज्य समुद्र से काफी दूर है इसलिए अगर तुम्हें समुद्र देखना है तो गुजरात या दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में जाना होगा। भारत का दक्षिणी भाग तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है।

समुद्र तट का एक दृश्य

1. *भारत के कौन से राज्य समुद्र से लगे हुए हैं? चलो नक्शा नं. 1 में देखें।*
2. *नक्शा नं. 2 में तट इस तरह (——) ज़मीन इस तरह (▭) और समुद्र इस तरह (≈≈) दिखाया गया है। तट रेखा, ज़मीन और समुद्र को अलग करती है।*
3. *नक्शा नं. 2 में तुम अपने आप भारत के तट को पहचानो और उस पर उंगली फेरो।*
4. *नक्शा नं. 2 में देखो कि भारत की ज़मीन कहाँ से कहाँ तक अरब सागर को छू रही है? यह भारत का पश्चिमी तट है। अब नक्शा नं. 3 में इसकी सही जगह पहचानो और वहाँ पर 'पश्चिमी तट' लिखो।*
5. *नक्शा नं. 2 में पूर्वी दिशा में देखो कि भारत की ज़मीन कहाँ से कहाँ तक बंगाल की खाड़ी से मिल रही है? यह भारत का पूर्वी तट है। नक्शा नं. 3 में सही जगह पर 'पूर्वी तट' लिखो।*

मुम्बई के अमोलो बंदरगाह पर खड़े जहाज

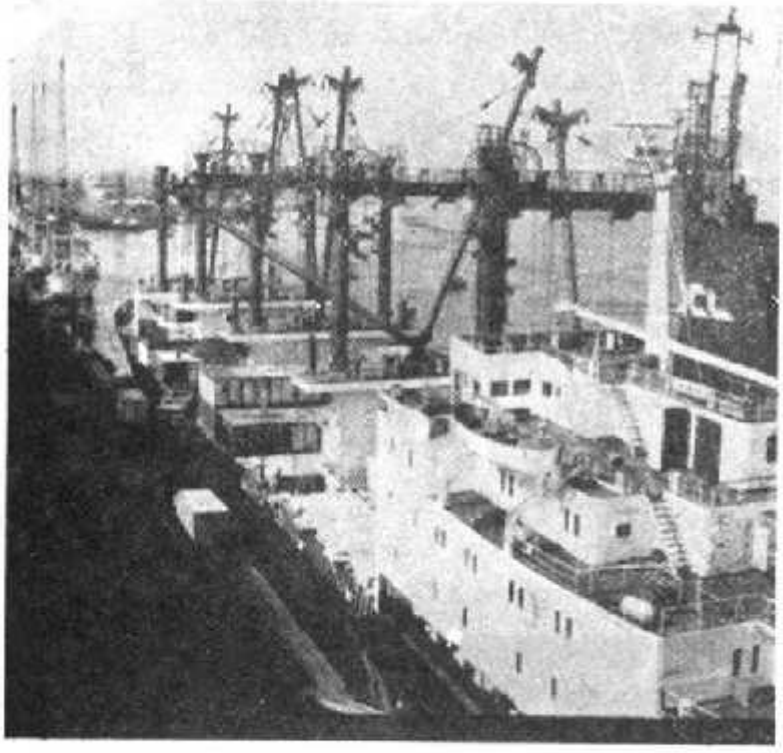

पश्चिमी तट

भारत के किसी राज्य में इतना लंबा तट नहीं है, जितना गुजरात में है। गुजरात राज्य और उसके तट के बारे में हम आगे पढ़ेंगे।

गुजरात से दक्षिण की ओर चलें तो महाराष्ट्र राज्य का तट मिलता है। महाराष्ट्र के तट पर ही मुम्बई शहर है। मुम्बई का नाम तो तुमने सुना ही होगा। मुम्बई में बंदरगाह है, जहाँ बड़े–बड़े जहाज़ दूर देशों से समुद्र के रास्ते आते हैं।

ऐसे जहाजों में कई सौ से भी ज्यादा लोग एक साथ आ–जा सकते

हैं। इनमें सैकड़ों बैलगाड़ी भरकर सामान आ सकता है। यहाँ तक कि भारी मशीनें और मोटर गाड़ियाँ भी आ जाती हैं। बंदरगाह पर सामान उतारकर फिर रेलों और ट्रकों से देश के अन्य भागों को भेजा जाता है। फिर इन्हीं जहाजों पर लाद कर अपने देश का सामान अनाज़, कपड़े, लोहा, कोयला, तेल अन्य देशों को जाता है। इस तरह मुम्बई बंदरगाह से खूब व्यापार होता है।

कर्नाटक का समुद्र तट

1. *नक्शा नं. 1 में महाराष्ट्र से और दक्षिण की ओर समुद्र तट पर उंगली फेरो। बताओ कि यहाँ कौन–कौन से राज्यों का तट मिलता है ?*
2. *इस तट से लगा हुआ क्षेत्र कैसा है मैदानी या पहाड़ी ? नक्शा नं. 2 में देखो।*
3. *नक्शा न. 2 में देखो तट के निकट सँकरा मैदान है और उसी के साथ खड़ी हैं पश्चिमी घाट की पहाड़ियाँ। इस तटीय मैदान का एक चित्र ऊपर देखो और उसके बारे में बातचीत करो।*

हर साल जून के महीने में इस तट पर तेज हवाएँ समुद्र से चलती हैं। इन हवाओं के साथ काले घने बादल आते हैं जो खूब बरसते हैं। यही बादल अन्दर के इलाकों में भी खूब बरसते हैं।

कन्याकुमारी का एक दृश्य
इस चट्टान पर स्वामी विवेकानन्द का स्मारक बना हुआ है

इन तटीय मैदानों में अधिक वर्षा होती है इसलिए यहाँ के लोग अपने खेतों में चावल उगाते हैं।

इस तट पर चलते–चलते हम दूर दक्षिण में कन्याकुमारी नाम की जगह पहुँच जाएँगे।

कन्याकुमारी के तीनों ओर समुद्र है। पश्चिम में अरब सागर, दक्षिण में हिन्द महासागर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी है।

1. नक्शा नं 1 में इन्हें देखो।

2. भारत के पश्चिमी तट के बारे में तुम्हें कौन–कौन सी बातें महत्वपूर्ण लगीं। ऐसी पाँच बातें लिखो।

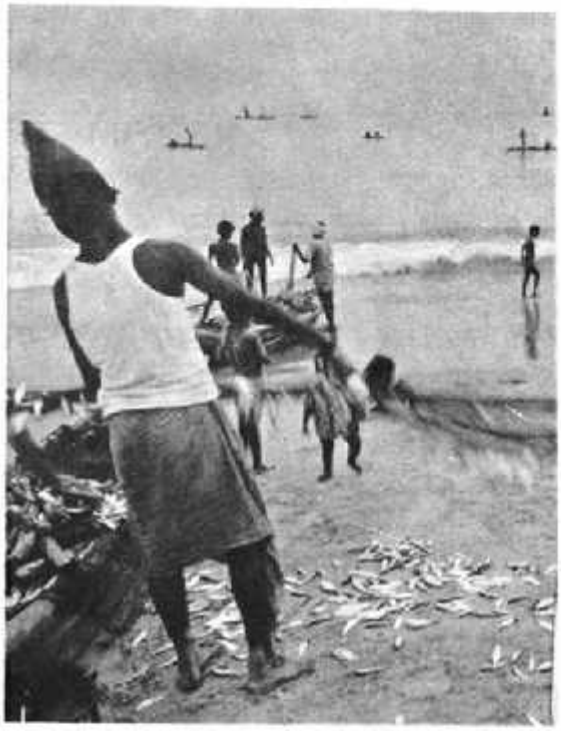

पूर्वी तट का एक दृश्य

चौड़े मैदानों वाला पूर्वी तट

कन्याकुमारी से अब हम पूर्वी तट पर सफर करेंगे। उत्तर दिशा की ओर जाते हुए हम भारत के कई राज्यों से गुजरेंगे।

1. नक्शा नं. 1 को देखो। सबसे पहले तमिलनाडु, फिर आंध्रप्रदेश, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल। इन राज्यों का तटीय मैदान काफी चौड़ा है। इस तट पर हमें कई बड़ी नदियाँ मिलेंगी जो बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

2. नक्शा नं. 2 को देखकर पाँच नदियों के नाम पता करो जो बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

तुम्हें नक्शे में दिख रहा होगा कि तट के पास आकर ये नदियाँ कई धाराओं में बँट जाती हैं और कई धाराओं से होता हुआ उनका पानी समुद्र में मिलता है। कई धाराओं वाला यह हिस्सा नदी का डेल्टा कहलाता है। गंगा नदी का डेल्टा सबसे बड़ा है।

गंगा जैसी नदियों के डेल्टा पर बहुत उपजाऊ मिट्टी जमा होती है और पानी भी होता है। इन इलाकों में धान की खेती अच्छी होती है। यह इसलिए भी हो पाता है क्योंकि भारत के पूर्वी तट पर भी ज़्यादा बारिश होती है।

धान की रोपाई करते हुए किसान

1. पूर्वी तट और पश्चिमी तट के बीच तुम्हें क्या–क्या फर्क नज़र आ रहे हैं?

2. पश्चिमी तट और पूर्वी तट की झाँकी बनाओ। इसमें तुम नारियल के पेड़, बंदरगाह, धान की खेती डेल्टा आदि बना सकते हो।

भारत की नदियाँ और उनके मैदान

(क) आओ अब कुछ नदियों के मैदान और उनके मार्ग देखें।
इन नदियों को नक्शा नं. 2 में ढूँढो–

1. सतलज 2. झेलम 3. गंगा 4. यमुना 5. ब्रह्मपुत्र 6. नर्मदा
7. ताप्ती 8. महानदी 9. गोदावरी 10. कृष्णा 11. कावेरी

(ख) ये नदियाँ कहाँ से निकलकर कहाँ जा रही हैं?

क्या तुम यह पता करना जानते हो कि नदी कहाँ से शुरू हो रही है और कहाँ जा रही है? इसके लिए दो सुराग याद रखो। पहला यह कि नदी आमतौर पर किसी पहाड़ी क्षेत्र से निकलती है क्योंकि पानी तो ऊपर से नीचे ही बहता है। दूसरा सुराग यह कि नदी हमेशा किसी समुद्र में गिरती है क्योंकि ज़मीन का ढाल समुद्र की तरफ होता है।

नदियों की शुरुआत और अंत

गोमुख से निकलती हुई बर्फीली नदी, भगीरथी

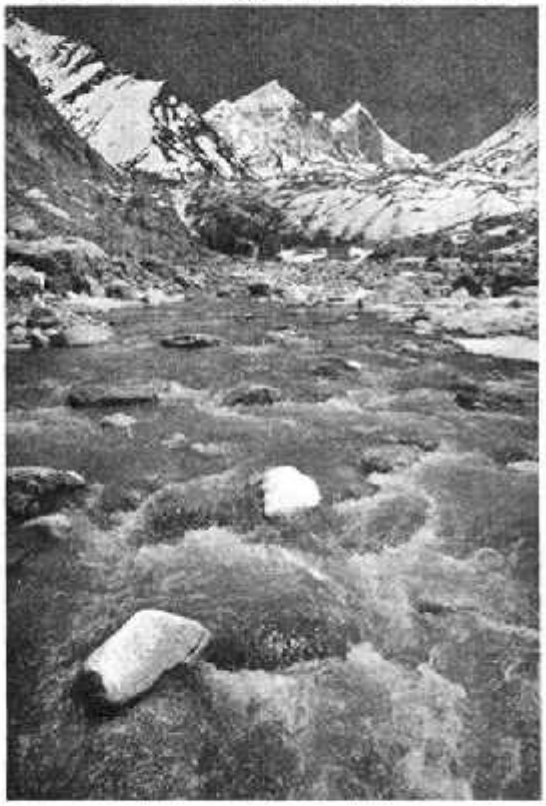

1. तुम नक्शे की मदद से यह भी देख सकते हो कि गंगा, यमुना, सतलज आदि कई नदियाँ हिम (बर्फ) से ढँके ऊँचे पर्वतों से निकलती हैं।

वहाँ हिम पिघलने के कारण गर्मियों में भी नदियों में पानी आता रहता है। बरसात के बाद बारिश का पानी बहता है। इसलिए इनमें सालभर काफी पानी रहता है। ऐसी नदियों को सदावाहिनी नदियाँ यानी हमेशा बहने वाली नदियाँ कहा जाता है।

2. नक्शा नं. 2 देखकर दो अन्य नदियों के नाम पता करो जो हिमालय पर्वत से निकल रही हैं।

लेकिन सारी नदियों में पिघली हुई बर्फ का पानी नहीं बहता। कई नदियाँ ऐसी हैं जो सिर्फ बारिश का पानी बहा कर ले जाती हैं। गर्मी या सूखे मौसम में इन नदियों में बहुत कम पानी रहता है। चम्बल, बेतवा आदि नदियाँ ऐसी ही मौसमी नदियाँ हैं। ये नदियाँ जिन पहाड़ों से निकलती हैं, वे बहुत ऊँचे नहीं हैं और उन पर हिम नहीं होता।

खाली स्थान भरो। नक्शा नं 2 देखो और इन नदियों की शुरुआत और अंत के बारे में लिखो।

क. नर्मदा नदी ———— पर्वतों से निकल कर ———— नामक समुद्र में गिरती है।

ख. गंगा नदी ———— पर्वतों से निकल कर ———— नामक समुद्र में गिरती है।

ग. ब्रह्मपुत्र नदी ———— पर्वतों से निकल कर ———— नामक समुद्र में गिरती है।

घ. कृष्णा और कावेरी नदियाँ ———— पर्वतों से निकल कर ———— नामक समुद्र में गिरती हैं।

ङ. सिन्धु नदी ———— पर्वतों से निकल कर ———— नामक समुद्र में गिरती है।

1. *नक्शा नं. 3 में नदियाँ तो बनी हैं पर उनके नाम नहीं लिखे हैं। तुम नक्शे में नदियों के नाम सही जगह पर लिखो। नदियों के पूरे मार्ग पर नीला रंग करो और समुद्रों को भी रंगो।*

जब तुम इन नदियों पर अपनी उंगली फेरोगे तो पाओगे कि कुछ नदियाँ दूसरे देशों से आ रही हैं तो कुछ दूसरे देशों को जा रही हैं। नदियाँ देशों की सीमा नहीं मानतीं, वे अपना रास्ता खुद बनाती हैं।

2. *कौन–सी नदियाँ दूसरे देशों से आ रही हैं?*

3. *कौन–सी नदियाँ दूसरे देशों को जा रही हैं?*

यह पता करने के लिए तुम्हें भारत की सीमा दर्शाने वाली रेखा पहचाननी होगी। याद है न यह सीमा किस तरह दर्शाई गई है टेढ़ी–मेढ़ी लाइन और बिन्दु द्वारा। नदियाँ पहाड़ों के बीच बहने के बाद मैदानों में मिट्टी बिछाती चलती हैं। पहाड़ों से बहती हुई गंगा का चित्र देखो। यहाँ गंगा भागीरथी कहलाती है। दूसरे चित्र में यमुना नदी का सपाट विशाल मैदान दिख रहा है।

आगरा के पास यमुना नदी के किनारे का एक दृश्य

4. *नक्शा नं 2 में देखो–हिमालय पर्वत के दक्षिण में एक विशाल मैदान है। यही सतलज–गंगा नदियों का मैदान है। इसे उत्तर का मैदान भी कहा जाता है।*

यहाँ की ज़मीन बिलकुल समतल व मिट्टी बहुत उपजाऊ है। यहाँ

खूब गेहूँ चावल, गन्ना, दालों, फलों और सब्ज़ियों की खेती होती है। इस उपजाऊ मैदान में घनी आबादी बसी है और कई बड़े–बड़े शहर हैं :– दिल्ली, इलाहबाद, पटना, कलकत्ता।

1. *उत्तर के मैदानी इलाके को नक्शा नं 2 में पहचानो और नक्शा नं. 3 में सही जगह पर इसका नाम लिखो। उत्तर के मैदान के अलावा अपने देश में और भी उपजाऊ मैदान हैं।*
2. *पूर्वी तट में कई नदियों के मैदान हैं–उन्हें पहचानो।*

भारत के नज़ारे – 3

हमारे पर्वत – पहाड़

अब थोड़ी बातचीत हमारे पहाड़ों के बारे में करें। भारत के उत्तर में आकाश छूती पर्वत–मालाएँ हैं। एक के बाद एक कई पहाड़ होने के कारण इन्हें हिमालय पर्वत मालाएँ कहते हैं। ये पहाड़ जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम और अरुणाचल प्रदेश के राज्यों में फैले हुए हैं। इनके बारे में तुम आगे के पाठों में पढ़ोगे। इन पहाड़ों के चित्र यहाँ देखो।

हिमालय पर्वत

1. *नक्शा नं. 2 देखो और सतपुड़ा, विंध्याचल एवं अरावली पहाड़ियों को पहचानो। नर्मदा की यात्रा पाठ में तुमने पढ़ा था कि सतपुड़ा, विंध्याचल पहाड़ियों के बीच से नर्मदा बहती है।*

पता करो कि तुम कौन–सी पहाड़ियों पर रहते हो।

2. *दक्षिण भारत के पहाड़ों को भी तुम जान चुके हो। यह हैं पश्चिमी और पूर्वी घाट। इन्हें नक्शा नं 2 में देखो।*
3. *नक्शा नं. 3 में सही जगहों पर भारत के पहाड़ों के नाम लिखो।*

थार का रेगिस्तान

रेगिस्तान का एक दृश्य

भारत में एक ऐसा इलाका है जहाँ बारिश बहुत ही कम होती है। वहाँ दूर–दूर तक रेत या चट्टानें फैली दिखती हैं और बहुत कम पेड़–पौधे नज़र आते हैं। यह रेगिस्तान का इलाका है और 'थार मरुस्थल' के नाम से जाना जाता है। अरावली पहाड़ों के पश्चिम में जाने पर हम थार का मरुस्थल देख सकते हैं। यहाँ लोग भेड़, बकरियाँ और ऊँट पालते हैं।

1. इस चित्र से थार के बारे में क्या समझ आ रहा है?

2. नक्शा नं. 4 में सही जगह पर थार रेगिस्तान लिखो। थार के बारे में एक अलग पाठ में पढ़ोगे।

दक्कन का पठार

उत्तर के मैदान के दक्षिण में पड़ने वाली भारत की लंबी–चौड़ी ज़मीन पठारी है। यह ज़मीन ऊँचाई पर है और ऊबड़–खाबड़ है। जगह–जगह टीले, टेकरियाँ निकली हुई हैं। कहीं–कहीं मिट्टी गहरी है और कई जगहों पर पथरीली, हल्की मिट्टी है। यहाँ बहुत से इलाकों में पानी भी कम बरसता है। तब यहाँ गेहूँ, चावल की बजाय ज्वार, रागी जैसे मोटे अनाज ज़्यादा उगाए जाते हैं। यह इलाका दक्कन (यानी दक्षिण) का पठार कहलाता है। इन्हीं पठारों में लोहा, कोयला, सोना, एल्यूमिनियम आदि की खदानें हैं।

नक्शा नं. 3 में दक्कन के पठार को पहचानो और उसका नाम लिखो।

दक्कन की ऊबड़–खाबड़ जमीन में हम्पी इलाके की एक नदी

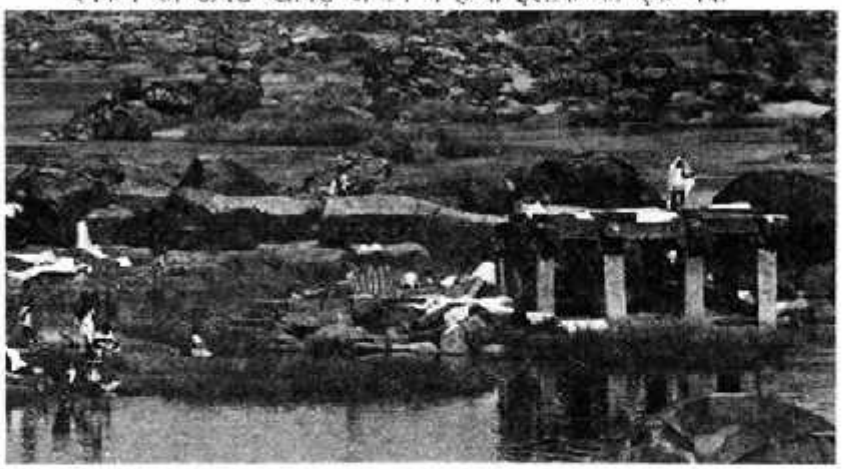

तुमने नक्शे और चित्रों में भारत के तट, नदियों, पहाड़ियों के नज़ारे देखे। तुममें से कुछ बच्चों ने शायद टी.वी. या अखबारों में इनमें से कुछ जगहों को देखा होगा। अगली बार तुम ऐसे चित्र देखो तो यह पता करने की कोशिश करना कि वह जगह कहाँ है।